ई-संदेश

18 सितम्बर, 2025 | अंक 171

सात दिन – सात पृष्ठ

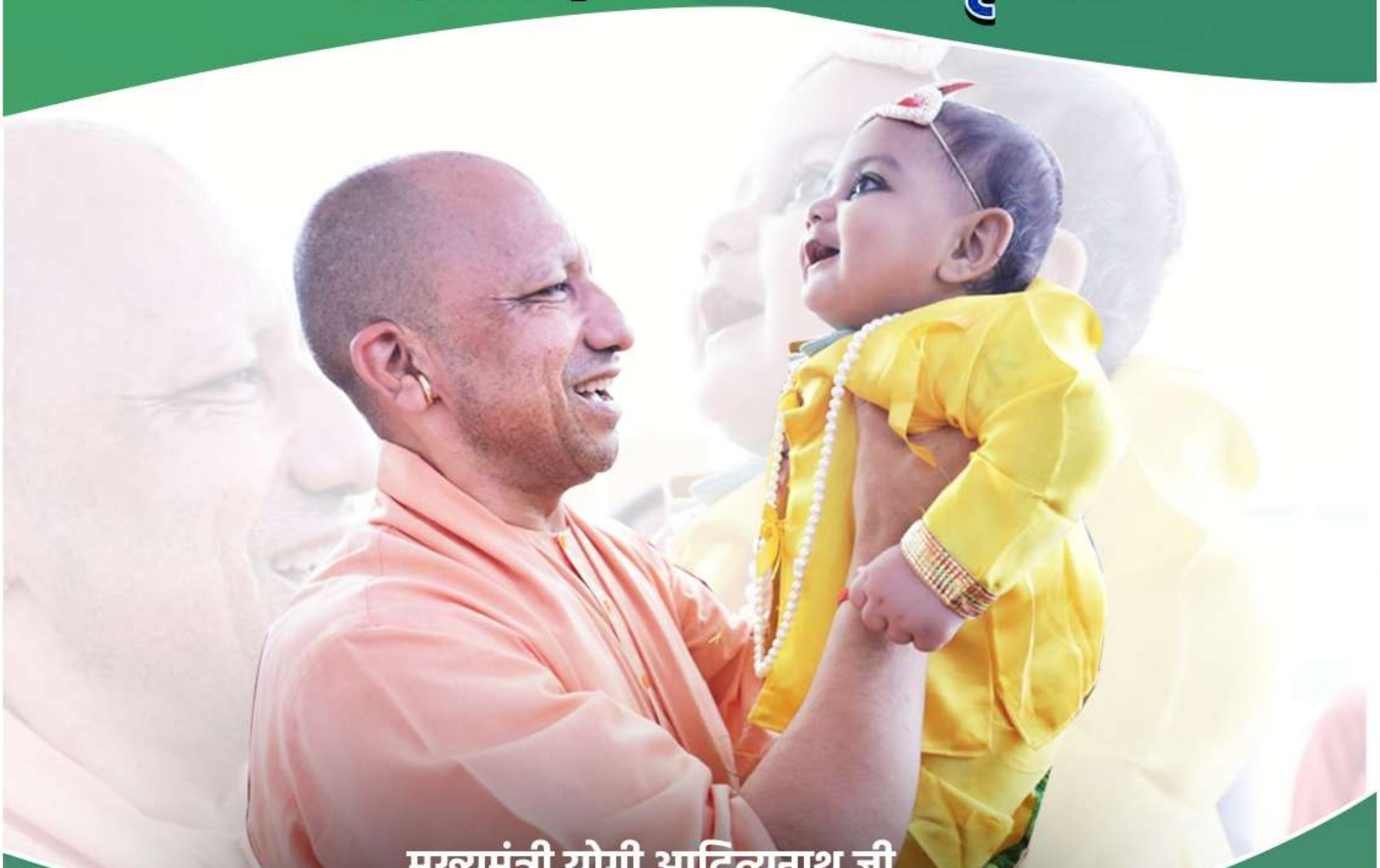

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी
आठवें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर बच्चे को दुलारते हुए।

- सहकारिता को युवाओं के लिए रोजगार मूलक अवसरों का द्वार बनाया जाए : मुख्यमंत्री
- मेडिकल डिवाइस व फार्मा पार्क के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं, आर0एम0एल0 जैसे संस्थानों को इस दिशा में अपनी भूमिका के लिए तैयार होना होगा : मुख्यमंत्री
- प्रदेश सरकार युवाओं, उद्यमियों, वैज्ञानिकों के विचारों को पंख दे रही : मुख्यमंत्री
- उत्तर प्रदेश पारम्परिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य : मुख्यमंत्री
- वर्षा में खराब हुई सड़कों और मार्गों की तत्काल मरमत हो : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री ने धार, मध्य प्रदेश से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' तथा 'आठवें राष्ट्रीय पोषण माह' का शुभारम्भ किया, मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए
- मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ाका शुभारम्भ किया, प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं
- मिशन शक्ति अभियान से प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में आशातीत परिणाम मिले :मुख्यमंत्री
- उत्तर प्रदेश की ओ0डी0ओ0पी0 योजना देश में मॉडल बनी है:मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ0 नवीनचन्द्र रामगुलाम जी का अयोध्या आगमन पर स्वागत किया

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

सहकारिता को युवाओं के लिए रोजगार मूलक अवसरों का द्वार बनाया जाए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 12 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल की उपस्थिति में एक उच्चस्तरीय बैठक में सहकारिता विभाग के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहकारिता को युवाओं के लिए कृषि, डेयरी, मत्स्य व सेवा क्षेत्रों में रोजगार मूलक अवसरों का द्वार बनाया जाए।मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में अध्ययन, अध्यापन और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सहकारी महाविद्यालय की स्थापना के निर्देश दिए। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में एम-पैक्स सदस्यता महाभियान पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' मंत्र को आत्मसात करते हुए 12 सितम्बर से 12 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित सदस्यता महाअभियान से हर किसान और हर ग्रामीण परिवार को प्राथमिकता के साथ सहकारिता से जोड़ा जाए। वर्ष 2023 में आयोजित प्रथम सदस्यता महाअभियान में 30 लाख से अधिक नए सदस्य जुड़े थे, जिनमें 17.33 लाख किसान, 3.92 लाख अकुशल श्रमिक, 1.56 लाख कुशल श्रमिक, 2.20 लाख पशुपालक और 6,411 मत्स्यपालक शामिल थे। इस महाअभियान से सहकारिता क्षेत्र में 70 करोड़ रुपये का अंशदान प्राप्त हुआ था। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि द्वितीय सदस्यता महाअभियान को और व्यापक बनाया जाए तथा गाँव - गाँव में कैम्प, ऑनलाइन / ऑफलाइन पंजीकरण और जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री जी ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियां अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय हैं और प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करने में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बैठक में सहकारी बैंकिंग सुधारों की समीक्षा करते हुए अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 से वर्ष 2024-25 तक 16 बन्द जिला सहकारी बैंकों को 306.92 करोड़ रुपये की सहायता से पुनर्जीवित किया गया है। इन बैंकों का एन0पी0ए0 वर्ष 2017 में 800 करोड़ रुपये से घटकर मार्च, 2025 में 278 करोड़ रुपये रह गया। मार्च, 2025 तक 1,000 करोड़ रुपये का ऋण व्यवसाय दर्ज हुआ और सभी बैंक लाभ में आ गए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसान और जमाकर्ताओं का विश्वास ही सहकारिता की असली पूँजी है। इसे हर हाल में सुरक्षित रखा जाए। सहकारिता भारतीय ग्रामीण समाज की प्राचीन परम्परा है। समाज को एकजुट रखने में सहकारिता की बड़ी भूमिका है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सहकारिता क्षेत्र में नए इतिहास रच रहा है।

अन्न भण्डारण योजना की प्रगति पर चर्चा के दौरान बताया गया कि भारतीय खाद्य निगम (एफ0सी0आई0) ने प्रदेश के 35 जनपदों में 96 स्थलों की पहचान की है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये कि 15 नवम्बर, 2025 तक वित्तीय समापन प्रक्रिया पूरी कर जनवरी, 2026 से निर्माण कार्य प्रारम्भ कर अप्रैल, 2026 तक पूरा कर लिया जाए। गोदाम निर्माण किसानों की समृद्धि का आधार है, इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

इस अवसर पर एम-पैक्स के गठन और कार्यप्रणाली पर भी विस्तार से समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि वर्ष 2024-25 में 266 एम-पैक्स के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 457 नये एम-पैक्स गठित हो चुके हैं। सितम्बर, 2025 में 1,088 ग्राम पंचायतों में इनके गठन की प्रक्रिया चल रही है। एम-पैक्स को उर्वरक वितरण हेतु 10 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त ऋण सीमा दी गई है, जिससे अब तक 5,400 करोड़ रुपये का टर्नओवर और 120 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी प्राप्त हुई है। इसी प्रकार, 757 नवगठित एम-पैक्स के उन्नयन के लिए राज्य सरकार 01 लाख रुपये मार्जिन मनी तथा 01 लाख रुपये आधारभूत अवसंरचना विकास के लिए उपलब्ध करा रही है।

डिजिटल भुगतान व्यवस्था के तहत 6,101 सोसाइटी में क्यू0आर0/यू0पी0आई0 आधारित प्रणाली लागू हो चुकी है। साथ ही, व्यवसाय विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए 5,170 एम-पैक्स में सी0एस0सी0 सेवाएं, 6,443 एम-पैक्स को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र तथा 161 एम-पैक्स में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं।

मेडिकल डिवाइस व फार्मा पार्क के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं, आर0एम0एल0 जैसे संस्थानों को इस दिशा में अपनी भूमिका के लिए तैयार होना होगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 13 सितम्बर, 2025 को यहां डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के पंचम स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट का विमोचन तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले संकाय सदस्यों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने संस्थान के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के पंचम स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज संस्थान के पंचम स्थापना दिवस पर अनेक उपलब्धियां के लोकार्पण और भावी योजनाओं के शिलान्यास से हम जुड़ रहे हैं। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का बीज 19 वर्ष पूर्व 20 बेड के साथ रोपा गया था, लेकिन आयुर्विज्ञान संस्थान के रुप में इसकी यात्रा 05 वर्षों की है। इन वर्षों में संस्थान ने तेजी से विकास करते हुए 20 बेड के हॉस्पिटल से 1,375 बेड के एक बेहतरीन संस्थान के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। आज यह स्टेट ऑफ द आर्ट इंस्टीट्यूट बनने की ओर अग्रसर है। 05 वर्षों में डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने अच्छी प्रगति हासिल की है। प्रदेश के टॉप तीन चिकित्सा संस्थानों में प्रथम स्थान पर के0जी0एम0यू0 110 वर्ष पुराना है। द्वितीय स्थान पर एस0जी0पी0जी0आई0 लगभग चार दशक पुराना है। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान 19 वर्षों में एक लम्बी छलांग लगाकर प्रदेश में तृतीय स्थान पर स्थापित हुआ है। यह दर्शाता है कि आपकी दिशा एवं नेतृत्व सही है। चुनौतियां आती हैं, लेकिन जब टीमवर्क और कार्य करने का जज्बा होता है, तो लोगों में एक नए उत्साह का संचार होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश के मुहाने पर स्थित है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के मरीज सबसे पहले डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आते हैं। इसके बाद वह के0जी0एम0यू0 या एस0जी0पी0जी0आई0 जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार व नेपाल की घनी आबादी है। यहां की परिस्थितियां यहां के लोगों को इस संस्थान में लेकर आती हैं। ऐसी स्थिति में हमें स्वयं को लगातार अपडेट रखना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ के तीन संस्थानों ने सम-विषम परिस्थितियों में लगातार कार्य करते हुए उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानक गढ़ने का कार्य किया है। कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में कोविड की जाँच के लिए कोई लैब नहीं थी। आगरा व नोएडा के मरीजों के सैम्पल जांच के लिए एम्स, दिल्ली तथा एन0आई0वी0, पुणे भेजे जाते थे। धीरे-धीरे प्रदेश में सुविधाएं विकसित की गयी। उस समय 36 जनपदों में आई0सी0यू0 का एक भी बेड नहीं था। ट्रेण्ड मैनपावर का अभाव था। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश ने महामारी के प्रबन्धन के मॉडल प्रस्तुत किये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा आर0एम0एल0 में सफलतापूर्वक वर्चुअल आई0सी0यू0 की शुरुआत की गयी। सभी 75 जनपदों में इसके माध्यम से लोगों को राहत देने का कार्य किया गया। इन संस्थानों से ट्रेण्ड मैनपॉवर व मास्टर्स ट्रेनर्स प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सा संस्थानों में भेजे गये। प्रदेश का यह मॉडल सफलतापूर्वक आगे बढ़ा था। यदि टेक्नोलॉजी के प्रयोग से किसी महामारी को मात दी जा सकती है, तो उसी टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हम अस्पताल की भीड़ को भी कम कर सकते हैं। टेलीकंसल्टेशन की सुविधा दूर-दराज के क्षेत्रां, पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 व डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में उपलब्ध कराकर मरीज की स्क्रीनिंग की जा सकती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत ने दुनिया को ऐसे अनेक वैद्य, चिकित्सक व सर्जन दिए। समय के अनुरुप हम अपनी गति को बनाए नहीं रख पाए। हमारे ज्ञान और विरासत को अन्य लोगों ने अपनाकर हमें ही पीछे कर दिया। इसका कारण था कि हमने केस स्टडी को अपनाने में संकोच किया। यदि चिकित्सक अपने मरीजों के लक्षणों व उनकी परिस्थितियों पर लिखने की आदत डालें, तो एक अच्छी केस स्टडी तैयार हो सकती है। इसके आधार पर यह बताया जा सकता है कि किन क्षेत्रों में कौन सी बीमारी है व उसके क्या उपचार हैं। केस स्टडी के माध्यम से इन क्षेत्रों में स्क्रीनिंग की सुविधा भी दी जा सकती है तथा मानव कल्याण को बेहतर रुप से आगे बढ़ाया जा सकता है। वर्ष 2017 में हमारी सरकार ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर के मध्य सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन, 25 सितम्बर को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की पावन जयन्ती तथा 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पावन जयन्ती है। सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रमों की शुरुआत रक्तदान शिविर से होगी। स्वैच्छिक रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित करने का प्रयास होना चाहिए। रक्तदाताओं के ब्लड ग्रुप की जांच करके अपने पास रिकॉर्ड रखें। आवश्यकता पड़ने पर जरुरतमन्द को रक्त उपलब्ध कराने में अपना योगदान दें, जिससे पेशेवर रक्तदाताओं द्वारा स्वास्थ्य के साथ होने वाले खिलवाड़ को रोकने में भी सफल होंगे। हम 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। आर0एम0एल0 को किसी एक मेडिकल कॉलेज को अपने साथ जोड़ कर उसका मार्गदर्शन करना चाहिए। इससे वहां के लोगों को सीखने का अवसर प्राप्त होगा तथा एक नई कार्य संस्कृति विकसित होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें तकनीक का लाभ लेना चाहिए और लोगों को टेली कंसल्टेशन की सुविधा से जोड़ना चाहिए। आपके संस्थान में केवल जरुरतमंद लोग ही आने चाहिए। जब भीड़ कम होगी, तो डॉक्टर भी मरीज को ज्यादा समय दे पाएंगे और हम स्वास्थ्य के लक्ष्य को अच्छी तरह से प्राप्त कर सकते हैं। हमें इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। विगत 05 वर्षों में संस्थान की उपलब्धियां सराहनीय है। इसे और बेहतर बनाए जाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आज आप जो भी कार्य करेंगे, वही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला बनेंगे।

अत्यन्त भयावह इंसेफेलाइटिस बीमारी के सम्बन्ध में केस स्टडी करायी और अन्तर्विभागीय समन्वय से तीन वर्षों में ही इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी को समाप्त कर दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में न्यूरो साइंसेज भवन व अन्य सुविधाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। ब्रेन ट्यूमर व ब्रेन से जुड़ी हुई तमाम बीमारियों में उत्तर प्रदेश के लोगों को लाभ मिल सके, इस दृष्टि से संस्थान में गामा नाइफ मशीन की स्थापना की जा रही है। आर0 एम 0एल0 यह मशीन स्थापित करने वाला प्रदेश का पहला संस्थान बनने जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संस्थान में विभिन्न भवनों को जोड़ने के लिए एक फुटओवर ब्रिज, संस्थान के न्यूरो साइंसेज सेन्टर के न्यू ब्लॉक, कॉन्फ्रेन्स हाल, लेक्चर थिएटर व कैफेटेरिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जुग्गौर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के अन्तर्गत रुरल हेल्थ ट्रेनिंग सेन्टर का लोकार्पण किया गया है। ब्वॉयज व गर्ल्स हॉस्टल, नर्सिंग कॉलेज के एकेडमिक ब्लॉक का शिलान्यास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आई0आई0टी0 कानपुर द्वारा मेडटेक पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। आर0एम0एल0 को भी किसी अच्छे संस्थान के साथ मिलकर इस दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रदेश में मेडिकल डिवाइस व फार्मा पार्क के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। आर0एम0एल0 जैसे संस्थानों को इस दिशा में अपनी भूमिका के लिए तैयार होना होगा। जब मिलकर कार्य होंगे, तो अच्छे परिणाम आएंगे। हमें आज के अनुसार खुद को तैयार करना होगा। हम जितना अधिक शोध करेंगे, उतना ही संस्थान के लिए बेहतर होगा।

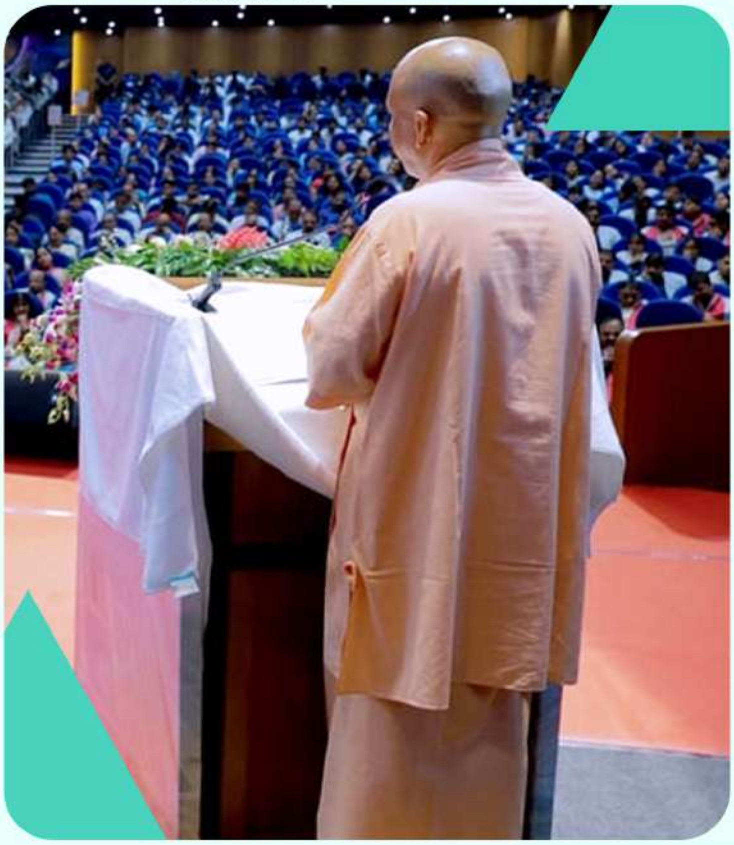

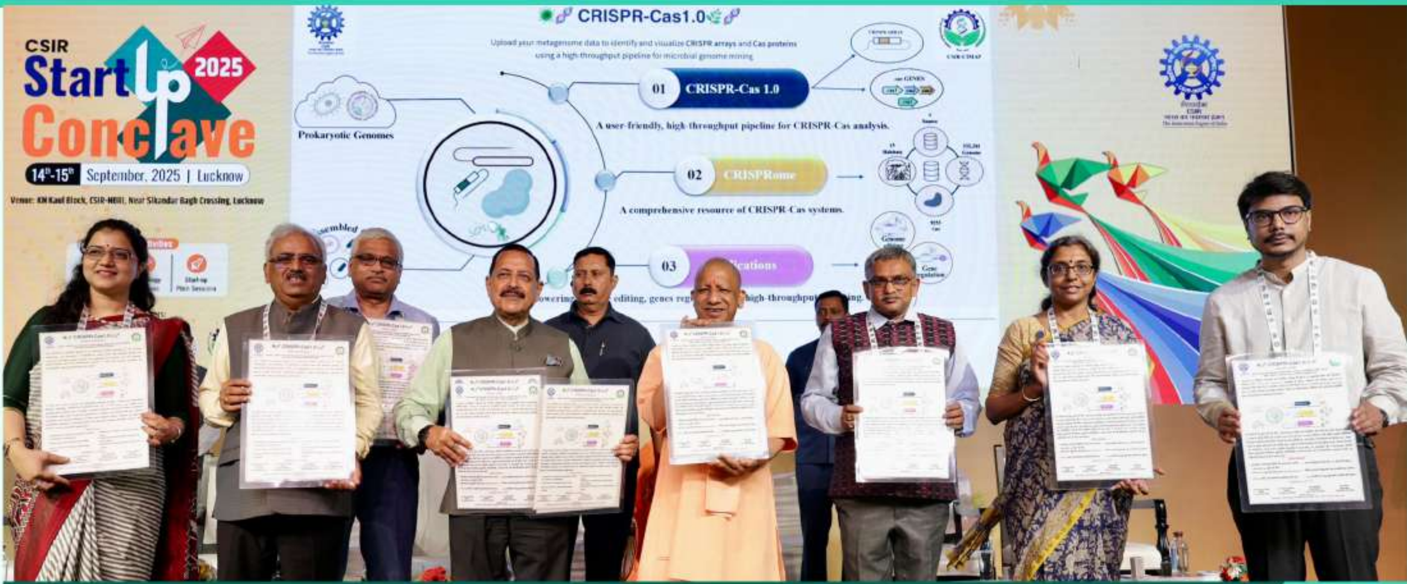

प्रदेश सरकार युवाओं, उद्यमियों, वैज्ञानिकों के विचारों को पंख दे रही : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 15 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में सी0एस0आई0आर0 स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 के समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम केवल नीतियां नहीं बना रहें, बल्कि उत्तर प्रदेश के हर युवा, उद्यमी, वैज्ञानिक के विचार को पंख दे रहे हैं। सरकार हर योग्य स्टार्टअप्स के साथ खड़ी है। सरकार का संसाधन व संकल्प हर आंत्रप्रेन्योर के लिए है। हम चाहते हैं कि प्रदेश के युवाओं की आंखों में चमक हो और वह चमक उसे प्रयोगशाला से लेकर उद्योग और रोजगार में बदलने में सहायक हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने साढ़े आठ वर्षों में सुरक्षा का एक बेहतरीन वातावरण उत्तर प्रदेश में दिया है। इससे उत्तर प्रदेश फियरलेस बिजनेस का केन्द्र बना है। इसके साथ ही प्रदेश ईज आफ डूइंग बिजनेस का केंद्र बिंदु भी बना है। ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस उत्तर प्रदेश की एक नई पहचान बनी है। व्यवसाय के लिए सुरक्षा, सुगमता और बिजनेस फ्रेंडली एनवायरमेंट से आज उत्तर प्रदेश निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में 02 दिवसीय सी0एस0आई0आर0 स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025 उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित हुआ है, जिससे हमारे वैज्ञानिकों, संस्थाओं, प्रगतिशील किसानों को अपने इनोवेशन व रिसर्च को शोकेस करने का अवसर प्राप्त हुआ है। लखनऊ स्थित एन0बी0आर0आई0, सी0डी0आर0आई0, आई0आई0टी0आर0 व सीमैप, सी0एस0आई0आर0 के प्रमुख संस्थान हैं। इन संस्थानों में किए गए शोध व नवाचार किसानों की आमदनी को बढ़ाने और आम नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन के कारक बने हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सी0एस0आई0आर0 स्टार्टअप कॉन्क्लेव की थीम है कि हर शोध उत्पादन के लिए हो, हर उत्पादन उद्योग बने और हर उद्योग भारत की सामर्थ्य और शक्ति बने। यही है विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के पीछे का राज।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का समय तकनीक का समय है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जो समाज जितना प्रगतिशील होगा, दुनिया उसके पीछे जाएगी। जो देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जितना अधिक इनोवेशन, रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट के कार्यों को बढ़ावा देगा, वही दुनिया को लीड करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तेजी के साथ कार्य किया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 17 हजार से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत हैं, जिनमें 08 यूनिकॉर्न भी हैं। राज्य में अब तक 72 इनक्यूबेटर्स और 07 सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित हुए हैं। प्रदेश सरकार ने इनक्यूबेटर्स को प्रोत्साहित करने के लिए 137 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है।

उन्होंने कहा की आज नई तकनीक तथा समाज व राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरुप अच्छे ईको सिस्टम को डेवलप करने में स्टार्टअप्स की बड़ी भूमिका है। यह स्टार्टअप्स विभिन्न क्षेत्रों जैसे- हेल्थ, एग्रीकल्चर, फार्मा, बायो-टेक, एन्वायरमेण्ट इत्यादि से सम्बन्धित हो सकते हैं। इस कॉन्क्लेव में इन विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित स्टार्टअप्स को नजदीक से देखा जा सकता है। यह स्टार्टअप्स उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

इसी क्रम में उन्होंने बताया कि पहले हमारे वैज्ञानिकों द्वारा लैब में किया गया शोध लैण्ड तक नहीं पहुंच पाता था। विगत दिनों 'लैब टू लैण्ड' अभियान पूरे देश में आयोजित किया गया।आज उत्तर प्रदेश ने नई तकनीक व स्टार्टअप प्लेटफॉर्म को अपनाया है। परिणामस्वरुप प्रदेश ग्लोबल-टेक और इनोवेशन के नए हब के रुप में अपने आपको स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 का क्लस्टर सैकड़ों वर्षों से मौजूद रहा है, लेकिन कालांतर में वह लुप्तप्राय सा हो गया था। वर्ष 2017 के बाद प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने परम्परागत उद्यम और एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। एम0एस0एम0ई0 से जुड़े उत्पादों को तकनीक, डिजाइनिंग, पैकेजिंग के साथ जोड़ा गया। परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश में 96 लाख एम0एस0एम0ई0 यूनिट क्रियाशील है, जिनसे 02 करोड़ परिवारों की आजीविका चल रही है। अर्थात् 10 करोड़ लोग इस सेक्टर से लाभान्वित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश का ओ0डी0ओ0पी0 देश और दुनिया में विख्यात हो रहा है। डबल इंजन सरकार ने एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को प्रोत्साहित किया और उत्तर प्रदेश में एक नया कल्चर आगे बढ़ता हुआ

दिखाई दिया। ऐसे ही स्टार्टअप में है। प्रदेश के 77 प्रोडक्ट्स को जी0आई0 टैग प्रदान किया गया है, जिससे इन प्रोडक्ट्स को सर्टिफिकेट भी प्राप्त हो गया। इन 77 प्रोडक्ट्स की देश और दुनिया में मांग बढ़ी है।

उत्तर प्रदेश में एन0बी0आर0आई0, सी0डी0आर0आई0, आई0आई0टी0आर0 व सीमैप ने शोध व नवाचार को आगे बढ़ाने में बहुत अच्छा कार्य किया है। एन0बी0आर0आई0 द्वारा जैविक खेती और जैविक उर्वरता की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। सी0डी0आर0आई0 विभिन्न प्रकार की नई दवाओं की खोज की दिशा में कार्य रहा है। राज्य सरकार एक फार्मा पार्क का निर्माण करा रही है। मेडिकल डिवाइस पार्क के निर्माण की कार्यवाही को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश सरकार आई0आई0टी 0 कानपुर के साथ मिलकर मेडटेक पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को विकसित करने का कार्य कर रही है।

स्टार्टअप्स को फार्मा और बायोटेक फील्ड में कार्यों को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा और उत्तर प्रदेश को इनका हब बनाने के लिए मजबूती से कार्य करना होगा। गंगा जी के किनारे के क्षेत्रों में आर्सेनिक और यमुना जी के क्षेत्रों में फ्लोराइड अधिक पाए जाने की समस्या देखी जा सकती है। आई0आई0टी0आर0 वॉटर फिल्ट्रेशन की दिशा में कार्य कर रहा है। सीमैप द्वारा मिंट व सुगंधित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

कार्यक्रम में इस अवसर पर सी0एस0आई0आर0 के विभिन्न संस्थानों एन0बी0आर0आई0, सी0डी0आर0आई0, आई0आई0टी0आर0, सीमैप व विभिन्न स्टार्टअप्स के बीच एम0ओ0यू0 व एम0ओ0ए0 का आदान-प्रदान किया गया। इन संस्थानों द्वारा हर्बल लिक्विड सिन्दूर, हर्बल नैनो सीरम, माइक्रोबियल इनोकुलेण्ट, 120 के एस0एन0पी0 चिप्स, पिंक गोल्ड टी जैसे विभिन्न प्रोडक्ट्स लांच किये गये। मुख्यमंत्री जी ने स्टार्टअप से जुड़ी एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया

उत्तर प्रदेश पारम्परिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पारम्परिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। भारत इस क्षेत्र में 08 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा। संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा। इस योजना के माध्यम से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसरों के साथ-साथ परम्परा और आधुनिकता का संतुलन स्थापित होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष वस्त्र एवं परिधान निर्यातक राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश से लगभग 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो देश के कुल वस्त्र एवं परिधान निर्यात का लगभग 9.6 प्रतिशत है। प्रदेश की जी0डी0पी0 में इस क्षेत्र का योगदान 1.5 प्रतिशत है। राज्य में प्रत्यक्ष रोजगार पाने वाले लगभग 22 लाख लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं। जनपद वाराणसी, मऊ, भदोही, मीरजापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारम्परिक क्लस्टरों ने प्रदेश को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के लिए लगभग 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। कुल निवेश मूल्य 15,431 करोड़ रुपये आंका गया है। इसके फलस्वरूप लगभग 1,01,768 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इनमें प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना अनिवार्य होगी। साथ ही बटन, ज़िपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों के विकास की भी व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र गति से क्रियान्वित करने हेतु भूमि की पहचान और अन्य विकास कार्यों को तेजी के साथ आगे बढ़ाया जाए। योजना का क्रियान्वयन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी0पी0पी0) मॉडल अथवा नोडल एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा, ताकि निवेशकों को समयबद्ध और सुगम सुविधाएं प्राप्त हों। सरकार की ओर से पार्कों तक सड़क, विद्युत और जलापूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री जी ने विशेष रुप से युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को इस योजना का मुख्य लक्ष्य बताया। उन्होंने कहा कि संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना न केवल निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगी, बल्कि प्रदेश को वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान भी दिलाएगी।

बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री जी ने पावरलूम बुनकरों की उत्पादन लागत कम करने, आय बढ़ाने और परम्परागत वस्त्र उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से बुनकरों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुनकर, परिश्रम और परम्परा के प्रतीक हैं। उनके हाथों से बना कपड़ा पूरे विश्व में पहचान रखता है। सरकार बुनकरों की मेहनत का सम्मान करते हुए उन्हें सस्ती बिजली उपलब्ध करा रही है। बुनकरों से संवाद बनाकर उनकी अपेक्षाओं को जानने और समझने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विभाग द्वारा प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए। मुख्यमंत्री जी ने पावरलूम को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्यवाही के भी निर्देश दिए।

वर्षा में खराब हुई सड़कों और मार्गों की तत्काल मरम्मत हो : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 सितम्बर, 2025 को लखनऊ में विभिन्न विभागों के साथ आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में सड़कों की मरम्मत तथा गड्ढा मुक्ति अभियान सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मानसून वर्षा के कारण खराब हुई सड़कों की मरम्मत और आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण की कार्यवाही को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हाईवे, एक्सप्रेस-वे, ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र की सड़कें व अन्य महत्वपूर्ण मार्ग दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे आगामी प्रमुख पर्वों व त्योहारों से पहले अच्छी स्थिति में होने चाहिए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सड़कों के मरम्मत कार्य में तेजी लाने की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नगर निगमों में अवस्थापना सम्बन्धी कार्यों की धनराशि का समय से और सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कार्य का आवंटन पारदर्शिता के साथ हो और कार्यों में अनावश्यक विलम्ब न हो। अन्यथा की स्थिति में महापौरों के अधिकारों पर पुनर्विचार किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिये कि जिस भी नगर निगम में ई0ई0एस0 एल0 का बकाया है, उसका तत्काल भुगतान करा दिया जाए।

सड़क नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा में बताया गया कि 31,514 कि0मी0 लम्बाई की सड़कों को इसमें शामिल किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने इसमें 84.82 प्रतिशत प्रगति दर्ज की है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवीनीकरण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगामी 30 सितम्बर तक लोक निर्माण विभाग द्वारा सर्वे पूरा कर कार्ययोजना शासन को प्रस्तुत की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निरीक्षण में असंतोषजनक स्थिति में पाए गए 114 मार्गों को तत्काल सुधार कर सुचारु यातायात सुनिश्चित किया जाए। त्योहारों के समय सड़कों की स्थिति प्रदेश की छवि से जुड़ी होती है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह अभियान प्रदेशवासियों की सुविधा और सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कार्यों की प्रगति की दैनिक निगरानी हो तथा शासन स्तर पर नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से लखनऊ में 12 सितम्बर, 2025 को उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की।

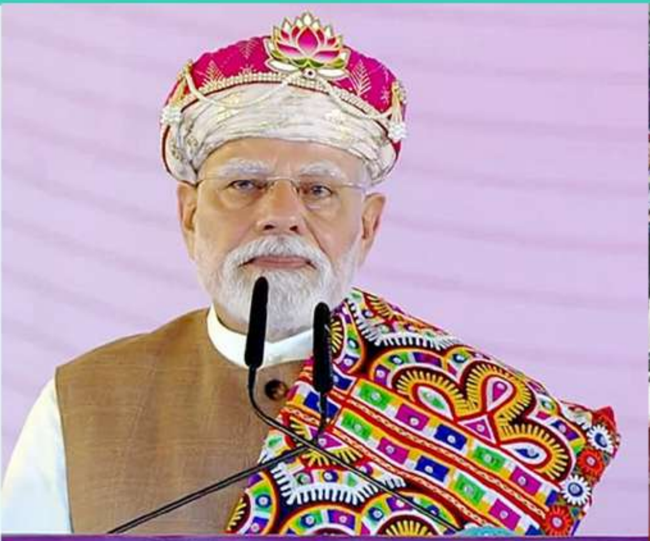

प्रधानमंत्री ने धार, मध्य प्रदेश से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' तथा 'आठवें राष्ट्रीय पोषण माह' का शुभारम्भ किया, मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 17 सितम्बर, 2025 धार, मध्य प्रदेश से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' तथा 'आठवें राष्ट्रीय पोषण माह' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर यहां अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर, के0जी0एम0यू0 में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री जी ने पी0एम0 मित्र इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क, धार, मध्य प्रदेश का शिलान्यास तथा 'आदि सेवा पर्व' का शुभारम्भ किया। उन्होंने पी0एम0 मातृ वन्दना योजना के अन्तर्गत 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को मातृत्व लाभ का अंतरण किया। उन्होंने 'एक बगिया मां के नाम' अभियान के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह की दीदी को अमरुद का पौधा प्रदान किया तथा 01 करोड़वें सिकल सेल जेनेटिक काउन्सिलिंग कार्ड का वितरण किया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों के सामने आगे बढ़ने के अनेक कार्यक्रम तय किये। नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वन्दना अभियान, देश की सर्वोच्च पंचायत संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम उठाये गये। यह सभी कार्यक्रम मातृशक्ति के सशक्तिकरण से जुड़े हुए वह अभियान हैं, जिनका नये भारत ने पूरे मनोयोग से स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने विगत 08 वर्षों में नारी सशक्तिकरण की दिशा में अनेक कदम बढ़ाये हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से अलग-अलग चरणों में बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की शिक्षा के लिए 25 हजार रुपये की व्यवस्था की गयी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से बेटी की शादी के लिए राज्य सरकार द्वारा 01 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध करायी जाती है। प्रदेश स्तर पर अनेक अभियान नारी सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री जी ने अपने पावन जन्मदिवस पर आज देशवासियों को 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं की दृष्टि से पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक साथ 20,324 स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत रक्त, ब्लडप्रेशर एवं डायबिटीज की जाँच, ओरल कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर तथा एनीमिया की जाँच, उच्च जोखिम वाली महिलाओं की टी0बी0 की जाँच, गर्भवती महिलाओं की प्रसव-पूर्व देखभाल एवं परामर्श, बच्चों के टीकाकरण के अलावा, स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरुकता पखवाड़ा आज से प्रारम्भ हुआ है। 15 दिवसीय यह अभियान महिलाओं की जांच एवं परामर्श के साथ ही उनके निःशुल्क उपचार से जुड़ा है। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। नारी जागरुकता की दृष्टि से प्रदेश के 01 लाख 89 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी यह कार्यक्रम अभियान के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला कल्याण व बाल विकास विभाग द्वारा चलाये गये कार्यक्रमों के सफल परिणाम हमारे सामने है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के वर्ष 2015-16 के आंकड़ों की तुलना में वर्ष 2019-21 के स्वास्थ्य सम्बन्धी आंकड़ों के अनुसार, बच्चों तथा महिलाओं में एनीमिया के स्तर में 5.1 प्रतिशत सुधार, स्टंटिंग में 6.6 प्रतिशत, अल्पवजन में 7.4 प्रतिशत तथा सूखापन में 0.6 प्रतिशत का सुधार हुआ है। प्रदेश में शिशु मृत्यु दर 45 से घटकर 37 तथा मातृ मृत्यु दर घटकर 141 हो चुकी है।

यह सुधार हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। यह परिणाम दर्शाते हैं कि हमारी दिशा सही है। प्रधानमंत्री जी के योग्य मार्गदर्शन में हमारी नीयत साफ तथा नीति स्पष्ट है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हम प्रधानमंत्री जी के पावन जन्मदिवस के अवसर पर एकत्र हुए हैं। राज्य सरकार इस वर्ष स्कूल मर्जर के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों को अपना भवन देने के साथ ही एक बड़े अभियान से जुड़ने जा रही है। इसके अन्तर्गत 03 से 06 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को एक अतिरिक्त पोषण मिशन से जोड़कर प्रदेश के बचपन को सुरक्षित रखने के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। यदि बचपन सुरक्षित होगा, तो उनका जीवन स्वयं ही सुरक्षित हो जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां स्वतःस्फूर्त भाव से रक्तदान के लिए आगे आने वाले लोगों का सम्मान किया गया है। 17 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य का कोई भी स्वस्थ मनुष्य प्रत्येक तीसरे महीने एक यूनिट रक्तदान कर सकता है। यहां 'सम्भव अभियान' के माध्यम से पोषण अभियान को सफल बनाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, अभिभावकों तथा ग्राम प्रधानों का सम्मान भी किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत चलने वाले सभी कार्यक्रम कुशलतापूर्वक आगे बढ़ेंगे। देश में इस अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश अग्रिम पंक्ति में खड़ा होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी बहनों को समय से स्मार्टफोन उपलब्ध कराए, जिससे हम इनके मानदेय को बढ़ाने का कार्य कर सकें। इन बहनों द्वारा किये जा रहे कार्य को सम्मान देने का सबसे अच्छा माध्यम यह होगा कि हम उन्हें स्मार्टफोन उपलब्ध कराएं, ट्रेनिंग दें और उनके इन्सेन्टिव को बढ़ाकर समय से भुगतान कराएं, ताकि वह सम्मानजनक ढ़ंग से अपना योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन तथा उल्लेखनीय कार्य करने वाले निःक्षय मित्रों एवं रक्तदाताओं का सम्मान किया। उन्हांने तीव्र कुपोषण का सामुदायिक प्रबन्धन के दिशा-निर्देशों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन तथा सम्भव अभियान के अन्तर्गत उत्कृष्ट योगदान करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, अभिभावकों एवं ग्राम प्रधानों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा का शुभारम्भ किया, प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस पर उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पूरा विश्व नए भारत का दर्शन कर रहा है। मुख्यमंत्री आज यहां जी0पी0ओ0 स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में प्रधानमंत्री जी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'सेवा पखवाड़ा' का शुभारम्भ करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने करुकर्म से पूर्व सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से गांधी जयन्ती 02 अक्टूबर, 2025 तक 'सेवा पखवाड़ा' आयोजित किया जा रहा है।सेवा पखवाड़ा प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आयोजित किया जाएगा। इस पखवाड़े में विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जनपदवासियों को जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा 'विकसित उत्तर प्रदेश/2047' पर आधारित प्रदर्शनी प्रदेश के प्रत्येक जनपद में लगाई गई है। यह प्रदर्शनी 15 दिवसों तक आयोजित की जाएंगी। समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उनका जीवन प्रेरणादायी है। उनका विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व संघर्षों तथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की सीख देता हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नए भारत ने विगत 11 वर्षों में अर्थव्यवस्था, विरासत, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, इम्प्लॉयमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन आदि विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नये भारत में प्रत्येक क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में भारतवासी तथा भारत के बाहर रहने वाले भारतवंशी गौरव की अनुभूति कर आह्लादित होते हैं। वे भारत की विकास यात्रा में सहभागी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार में विरासत का सम्मान केवल घोषणा मात्र नहीं, अपितु हकीकत साबित हुआ। अयोध्या में 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद श्री रामलला का विराजमान होना, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर का श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के रूप में वैश्विक जगत को अपनी ओर आकर्षित करना, केदारनाथ तथा बद्रीनाथ धाम व 'महाकाल का महालोक' इसका साक्षी हैं। देश में विरासत से जुड़े स्थलों का पुनरुद्धार तथा सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर,, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि एवं भारत की परम्परा में सामाजिक उद्धार तथा न्याय के लिए जीवन समर्पित करने वाले महापुरुषों से सम्बन्धित विभिन्न रचनात्मक कार्य किये गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना की विपरीत परिस्थितियों के दौरान जब सम्पूर्ण विश्व पस्त हो गया, तब प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत, कोविड प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण देते हुए, विश्व के समक्ष एक मॉडल के रुप में प्रस्तुत हुआ। उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस बीमारी से प्रत्येक वर्ष हजारों बच्चों की असमय मौत होती थी। लगभग 40 वर्षों में 50 हजार से अधिक बच्चे इस बीमारी से काल कवलित हुए। विश्व में 1905 ई0 में इसकी वैक्सीन बनी, किन्तु भारत में वैक्सीन को पहुंचने में 100 वर्ष से अधिक समय लगा।वहीं प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना महामारी में मात्र 09 महीने में कोविड की 02 वैक्सीन बनाकर भारतवासियों को बचाने का कार्य किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड कालखंड में भारत ने मित्र देशों के संकट का साथी बन कर विश्व के समक्ष मिसाल प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री जी ने कोविड के दौरान दर्जनों मित्र देशों को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराकर कूटनीतिक दूरदर्शिता का बेहतरीन परिचय दिया।

मिशन शक्ति अभियान से प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में आशातीत परिणाम मिले :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 सितम्बर, 2025 को लखनऊ में विभिन्न विभागों के साथ आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में 'मिशन शक्ति' अभियान की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने आगामी शारदीय नवरात्रि से महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को समर्पित 'मिशन शक्ति' के 05वें चरण के शुभारम्भ की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से प्रारम्भ हुए 'मिशन शक्ति' अभियान से प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में आशातीत परिणाम मिले हैं। अब तक इसके चार चरण पूरे हो चुके हैं और आगामी 22 सितम्बर से प्रारम्भ होकर यह पांचवा चरण 30 दिनों तक सतत रुप से संचालित होगा।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इस चरण में विभागीय समन्वय के साथ व्यापक कार्यक्रम चलाए जाएं। पुलिस बल की फुट पेट्रोलिंग को और प्रभावी बनाया जाए। पी0आर0वी0-112 की सभी गाड़ियाँ लगातार सड़कों पर सक्रिय रहें। ए0डी0जी0, आई0जी0, डी0आई0जी0 जैसे वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में उतरकर आमजन से संवाद करें, पुलिस लाइनों का निरीक्षण करें और गश्त में शामिल हों, ताकि जनता को यह विश्वास हो सके कि सरकार और प्रशासन 24ग7 उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर हैं। आमजन में सुरक्षा का भाव हो, अपराधी कानून के भय से आतंकित दिखाई देने चाहिए। कानून का दुरुपयोग करने वाला पुरुष अथवा महिला, किसी के साथ भी कार्रवाई में भेदभाव नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान समय में 44,177 महिला पुलिस कार्मिकों के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महिला पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्देश दिये कि इस अभियान के 30 दिनों के भीतर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों और 14 हजार नगरीय वॉर्डों में महिला बीट पुलिस अधिकारियों को चरणबद्ध ढंग से भेजा जाए। ग्राम प्रधान, सभासद, आशा, ए0एन0एम0,

दुरुपयोग करने वाला पुरुष अथवा महिला, किसी के साथ भी कार्रवाई में भेदभाव नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान समय में 44,177 महिला पुलिस कार्मिकों के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महिला पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्देश दिये कि इस अभियान के 30 दिनों के भीतर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों और 14 हजार नगरीय वॉर्डों में महिला बीट पुलिस अधिकारियों को चरणबद्ध ढंग से भेजा जाए। ग्राम प्रधान, सभासद, आशा, ए0एन0एम0, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री आदि के साथ यह महिला पुलिस अधिकारी भ्रमण कर महिलाओं और बालिकाओं से संवाद करें, उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझें तथा उन्हें उनके अधिकारों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पूरी जानकारी दें। आपात स्थिति में कहाँ और कैसे सहायता प्राप्त की जा सकती है, इसकी जानकारी भी उन्हें उपलब्ध करायी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि नवरात्रि व अन्य पर्व-त्योहारों की अवधि में मंदिरों, धार्मिक स्थलों, मेलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिला पुलिस बल की विशेष तैनाती सुनिश्चित की जाए। एण्टी रोमियो स्क्वॉड को और अधिक सक्रिय करते हुए शोहदों के विरुद्ध ऐसी कार्यवाही की जाए, जो नजीर बने। महिला अपराधों में संलग्न अपराधियों पर इस प्रकार की सख्त कार्यवाही की जाए कि वे दोबारा अपराध करने का साहस न कर सकें। उन्होंने बल देते हुए कहा कि इस तरह की कार्यवाही में संवेदनशीलता आवश्यक है। यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यवाही जिसके विरुद्ध हो रही, वह शोहदा ही हो।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद में महिला सुरक्षा से जुड़े संवाद और कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जाएं। इस संवाद और कॉन्फ्रेंस में अस्पतालों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में लघु फिल्मों का प्रदर्शन कर छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता के प्रति जागरुक किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जेल में बंद असहाय महिलाओं को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयासों को और प्रभावी बनाया जाए। महिला सम्बन्धी अपराधों के निस्तारण के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लक्ष्य तय कर अभियोजन की व्यवस्थित कार्यवाही की जाए, ताकि अपराधियों पर त्वरित कार्यवाही हो और तेजी से सजा सुनिश्चित की जा सके। महिला हेल्पलाइन 1090 पर आने वाली प्रत्येक कॉल को पूरी गम्भीरता से लिया जाए और हर स्थिति में उसका संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री जी ने सभी नगर निगमों में पिंक बूथ की स्थापना के निर्देश देते हुए कहा कि मिशन शक्ति केन्द्रों पर कार्यरत पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाए। इस प्रशिक्षण में जेंडर सेंसिटाइजेशन, डिजिटल एविडेंस कलेक्शन, केस मैनेजमेंट और वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी अनिवार्य रुप से शामिल हो। पिंक बूथों पर 24ग7 सहायता उपलब्ध रहे और मिशन शक्ति केन्द्रों को 360 डिग्री मॉडल पर विकसित किया जाए। जहाँ शिकायत पंजीकरण, काउन्सलिंग, लीगल एड, फीडबैक और फॉलो-अप जैसी सभी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह अभियान तभी सफल होगा जब हर गाँव, हर वॉर्ड और हर परिवार तक इसकी पहुँच सुनिश्चित की जाएगी। मिशन शक्ति केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने का एक व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस चरण को मिशन मोड में सफल बनाया जाए और प्रदेश की हर बेटी को सुरक्षा एवं सम्मान का भरोसा दिलाया जाए।

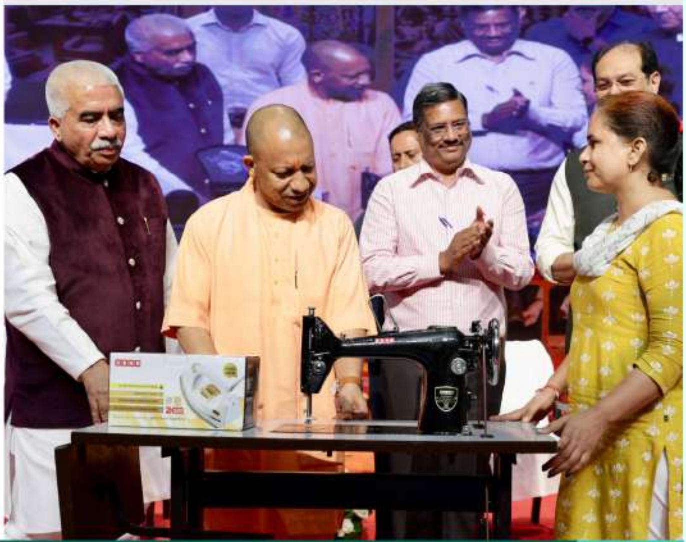

उत्तर प्रदेश की ओ0डी0ओ0पी0 योजना देश में मॉडल बनी है:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 सितम्बर, 2025 को विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों की ओर से नये भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज इस कार्यक्रम के माध्यम से हस्तशिल्पियों, कारीगरों को 1.32 लाख करोड़ रुपये का ऋण और 12,000 कारीगरों को प्रशिक्षण के बाद टूलकिट वितरित की जा रही हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत अभी तक राज्य सरकार 11 प्रकार के कार्यों के लिए हस्तशिल्पियों व कारीगरों को टूलकिट वितरित करती थी। अब 12 अन्य प्रकार के कार्यों के लिए भी टूलकिट प्रशिक्षण के साथ-साथ वितरित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री जी आज यहां विश्वकर्मा श्रम सम्मान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने सृष्टि रचयिता भगवान विश्वकर्मा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूलकिट, एम0एस0एम0ई0 उद्यमियों को ऋण के प्रतीकात्मक चेक, विभाग के नव चयनित 111 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उनके समक्ष 25 कॉर्पोरेट प्रशिक्षण दाता संस्थाओं व राज्य सरकार के मध्य एम0ओ0यू0 सम्पन्न हुए।

मुख्यमंत्री जी ने 17 से 19 सितम्बर, 2025 तक आयोजित होने वाले 'विश्वकर्मा एक्सपो' का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। इसमें विश्वकर्मा ट्रेडों से सम्बन्धित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एम0एस0एम0ई0 विभाग 'पी0एम0 विश्वकर्मा योजना' के साथ कोलैबोरेट करते हुए सस्ता लोन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करे। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश का सी0डी0 रेशियो 44 प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 62 प्रतिशत हो गया है। इस वर्ष के अंत तक सी0डी0 रेशियो को 65 प्रतिशत से अधिक और अगले वर्ष तक 75 प्रतिशत तक ले जाने का हमारा लक्ष्य है। यदि उत्तर प्रदेश का नागरिक उत्तर प्रदेश में पैसा लगा रहा है, बैंक में डिपॉजिट कर रहा है, तो उसमें से 75 से 80 प्रतिशत धनराशि उत्तर प्रदेश में वापस विकास कार्यों में खर्च होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे युवाओं को रोजगार के लिए सस्ता लोन उपलब्ध होना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री जी का विजन है कि 'भारत का युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बने'। उन्होंने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश सरकार के साथ एम0ओ0यू0 करने वाली कम्पनियों को धन्यवाद व्यक्त किया कि वे प्रशिक्षण के अभियान से जुड़ रही हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की ओ0डी0ओ0पी0 योजना देश में मॉडल बनी है और प्रधानमंत्री जी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को धरातल पर उतार रही है। प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र ने उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है। यहां के युवाओं को नौकरी व रोजगार से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य माना जाता था, आज वही उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से हटकर देश का ग्रोथ इंजन बनकर विकास की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदल चुकी है। अब उत्तर प्रदेश का मतलब देश के हर प्रश्नों का उत्तर है। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ0 नवीनचन्द्र रामगुलाम जी का अयोध्या आगमन पर स्वागत किया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 12 सितम्बर, 2025 को मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ0 नवीनचन्द्र रामगुलाम जी के अयोध्या आगमन पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत, मॉरीशस के प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्री रामलला के दर्शन-पूजन किये।मॉरीशस के प्रधानमंत्री जी ने मुख्यमंत्री जी के साथ श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री जी की धर्मपत्नी श्रीमती वीना रामगुलाम भी उपस्थित थीं।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित